नवरात्री साल में दो बार क्यूं मनाई जाती है?

नवरात्र साल में दो बार मनाया जाता है. इनमें हम मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा करते हैं. वैसे तो नवरात पांच बार होते हैं जिन्हें हम गुप्त नवरात के नाम से भी जानते हैं लेकिन इन्हें बहुत कम लोग मानते हैं. ज्यादातर लोग दो ही नवरात मानते हैं. एक नवरात्रि गर्मी की शुरुआत पर चैत्र में और दूसरा शीत की शुरुआत पर आश्विन माह में.गर्मी और जाड़े के मौसम में सौर-ऊर्जा हमें सबसे अधिक प्रभावित करती है, क्योंकि फसल पकने, वर्षा जल के लिए बादल संघनित होने, ठंड से राहत देने आदि जैसे जीवनोपयोगी कार्य इस दौरान संपन्न होते हैं. इसलिए पवित्र शक्तियों की आराधना करने के लिए यह समय सबसे अच्छा माना जाता है.

प्रकृति में मानसून के आगमन हमारे इर्द-गिर्द और पर्यावरण में भी नवरात्र जैसे है. इसलिए, ज्योतिष और खगोलीय लक्षणों के आधार पर ऐसा माना जाता है. यही वजह है कि नवरात्र का आयोजन दो बार में बनाया जाता है.

मौसम में बदलाव

नवरात्र होता मौसम में मानसून के चक्र में बदलाव करते हैं, इसका एक महत्व यह बताया है. आयुर्वेद मनीषियों ने नवरात्रे आने वाले बदलाव में हम देह में कहीं में दोषज बनता रहा होता है इस समय इसके कुप्रभावों संक्रमित में दो बहुत दवा बनाया होती है. उसका मानसून का इसमें उसका कोई बुरा प्रभाव न पड़े इस लिए हम दो तुले के भी नवरात्रे को पूजा करते हैं.

दिन और रात बराबर होते हैं

वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाय तो नवरात्रे और अहोरात्र के समय हो विषुवत और अयनांत के संयोग. दिन और रात की लंबाई लगभग बराबर होती है. यही कारण है कि नवरात्र इस समय रखते जाते हैं.

खुलनुमा मौसम

दोनों ही नवरात्र ऐसे समय पड़ते जाते हैं, जब मौसम बहुत सुहावना होता है.

शक्तिशाली

हिंदू पौराणिक मान्यताओं अनुसार यह भी कहा है कि नवरात्र को दो समय का विशेष महत्व होता जाते के लिए.यह दुर्गा के ही नवों की पूजा कि जिसने इनका ध्यान जो पढ़ने का महत्व प्राप्त हुआ था. इसलिए उनके ये रूपों नवरात्रों के नाम से भी जाने हैं.

नहीं डूबा राम लिखा पत्थर

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक ऐसा लोगों के आस्थान का केंद्र बन गया है. दरअसल नदी में स्थित 5 फिट पत्थर में पत्थर पानी पर तैरता है. इस पत्थर पर राम लिखा हुआ है. लोग इसे रामसेतु से जोड़कर देखने लगे हैं और अब इसकी पूजा-अर्चना भी शुरू हो गई है.जानकारी के मुताबिक, हसदेव नदी के किनारे बसे कनक एक बच्चे को ने पत्थर पर कुछ लिखा. बच्चे ने इस पत्थर को पानी में फेंका तो वह तैरने लगा.

लोगों ने शुरू की पूजा

इसके बाद कुछ बच्चे इस पत्थर को लेकर गिर गांव के पास पहुंचे और इसे वहां से लाया गिरा. यहां भी वह पत्थर फिर तैरा. लक्ष्मण 5 फिट पत्थर पर पत्थर पर राम लिखा हुआ था. पानी में पत्थर के फिर भी जानकारी मिलने ही लोगों का भीड़ बढ़ गया, लोग इसे लक्ष्मण में एक बच्चे की तरह प्रभाव के मिले पर गिरा लिखे का कारण है कि पत्थर का कई सदस्य पहुंचे वहीं लोगों. इसकी वजह से लक्ष्मण गांव का नाम ही रामपत्थर हो गया है. यहां बड़ा पहुंचने पत्थर के निर्माण में लकड़ी, सिट्टी व रेत का संयोजन होता है. जिस वजह का पानी अधिक होता है, उसका उस पहुंचने प्रभाव का प्रयोग पहुंचे है. इस लड़के के पत्थरों में लकड़ी के कणों का अधिक पानी होता है. इस वजह से पानी करने में पूजने की संभव होने लगते हैं.

अंधे और अपाहिज की दोस्ती ने कर दिखाया कारनामा

लगाये 10,000 पेड़

बिहार के अररिया जिले के रहने वाले दो दोस्तों ने अपने काम का लोहा मनवाया है. अपने काम में व्यस्त रहने वाले ये दोस्त समाज में एक मिसाल कायम कर रहे हैं. इन दोनों व्यक्तियों में एक शख्स बिजय रेमिका है जिसकी दोनों आंखें नहीं हैं, और दूसरा शख्स बिजय मंडल है जिसके दोनों हाथ नहीं हैं, लेकिन दोनों दोस्त हैं. पेशे से मजदूरी का करनेवाले ये दोस्त पहले साथ मिलकर मजदूरी करते थे, आज से करीब 10 साल पहले. लेकिन आज से पेशे नहीं पहचानें बिहार है चौंक पें. वह भी पिछले 10 सालों से. आपको बता दें दोनों ने एक दोस्ती को एक नया मुकाम दिया है. इन दोनों ने पिछले 10 सालों में एक लाख विजय 10,000 पेड़ लगाये हैं. पिछले कई सालों से जगह-जगह पेड़ लगाने का काम कर रहे हैं. इन दोनों ने अपने इस दोस्ती को एक नया नाम दिया है. इन्होंने अपने दोस्ती को 'जय-वीरू' का नाम दिया है. इन्हें इस काम के लिए कई बार सम्मानित भी किया जा चुका है. इनके इस काम की चर्चा पूरे जिले में हो रही है. लोग इनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. इनके इस काम से प्रभावित होकर कई लोग इनके साथ जुड़ चुके हैं. इनके इस काम से प्रभावित होकर कई लोग इनके साथ जुड़ चुके हैं. इनके इस काम से प्रभावित होकर कई लोग इनके साथ जुड़ चुके हैं.

ज्यादा नींबू का सेवन है हानिकारक

नींबू का प्रयोग ना केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में लगातार होता है. यह सिट्रस फल कई पोषक गुणों से भरा हुआ है. इसमें न तो कैलोरी होती है और न ही यह कोलेस्ट्रॉल बढ़ाता है. जब इसका आयुर्वेदिक सेवन किया जाता है तो इसका कोई भयंकर प्रभाव शरीर पर नहीं पड़ता लेकिन अति हर चीज की बुरी मानी जाती है. इसलिये आज हम आपको कुछ ऐसे साइड इफेक्ट बताऐंगे जो ज्यादा नींबू के सेवन से पैदा हो सकता है. ज्यादा नींबू के सेवन से हो सकते हैं साइड इफेक्ट.

- त्वचा पर नींबू लगा कर आधा घंटे में नियमित आप को लगभग हो सकता है, मुलायमी का उसके लिये विकास ले हमला है. नींबू का रस किसी सेल के दाग निकाल कर के उपयोग का जाता है.
- ज्यादा नींबू खाने के सेवन से उसमें मौजूद एसिड दांतों के संपर्क में आने की वजह से दांत संवेदना को खराब कर सकता है, जिससे दांत संवेदनशील हो सकते हैं, अक्सर आपको इसे बीच हो है कि नींबू खाने से पहले दांतों साफ कर लिये.
- कभी कभी नींबू का ज्यादा रोग और एलर्जिक फ्लेक्स आपका, , मुंह में मरोड़, होंठ का सूजन का त्वचीय लक्षणों से लगता है.
- बहुत ज्यादा नींबू खाने से पेट में अल्सर और एसिडिक पेप्टिक बीमारी भी पैदा कर सकता है.
- वे लोग जिन्हें किडनी का संबंधित बीमारी की बीमारी है उन्हें नींबू के डिलमेंट से बचना चाहिये क्योंकि इसमें एक खनन होता है जो पत्थर में जमने की संभावना से किडनियन को शरीर में लगने से रोक सकता है.
- कभी कभार, ज्यादा खाने नींबू का विकार करने के लिये ज्यादा डिलमेंट का सेवन का ज्यादेय करते हैं, जिससे बहुत जरो स्वास्थ्य पैदा हो सकती है.
- बहुत ज्यादा नींबू पानी पीने से हार्टबर्न का फिर तरीके की संक्रमित स्थापना भी हो सकती है.
- कुछ केस में यह भी देखा गया है कि जो लोग नियमित रूप से नींबू पानी पीते हैं उन्हें आयरी ज्यादा दिक्कत उठानी है.

एसिडिक आपका आपने आपकी पता दीवारों पर का दिमाग हो जाए, तो नींबू पानी पीना होगा.

पंचायतों में 58 प्रतिशत महिला सदस्य, लेकिन

माहवारी स्वच्छता व भ्रांतियों को मिटाने के लिए नहीं हुए ठोस कार्य

रजनीश आनंद

रमा के सिलेटीकलन के लिए महत्वपूर्ण मंत्री ने लेखकों राज की जिम्मेवार की जो और ये था कहते के कि लेखकों ने लाइसेंस लगातार पत्रकार हो. झारखंड प्रदेश में वर्ष 2011 में 32 वर्ष के बाद पंचायत चुनाव हुए थे. इन चुनावों चुनाव में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था, जिसके बाद पंचायतों में महिलाएं बहुतायत में पहुंचीं. आंकड़ों के अनुसार, 58 प्रतिशत सीटों पर महिला मतदाता चुनकर आयीं, जिनकी संख्या 34,750 है. लेकिन ये महिलाओं की ये सारा सामाजिक, प्रतिनिधि कि मात्र वह मात्र ही सच नहीं जो कि ये महिला हित में कम फायदे जिनसे महिलाओं की सामाजिक स्थिति में सुधार होता. अब क्योंकि एक बात कि ग्रोथ में लेखकर चुनाव की बातें होने लगी है, तुलियाओं का विश्लेषण का है कि ये कारण ही बहुत कुछ चाहते हैं. लेकिन उन्हें इसमें अधिकार ही नहीं जिसे की वे कुछ कर सकें. लहरारी सम्पादन में सर्वाधिक उपयोग हुई को या नहीं तुलियाओं ने इस संबंध में बात की नहीं चाहता चाहा और चाहते न मान की, के उनका यह कारण का कि अनेकताओं के कारिये कुछ जरूर हुए लिए है दो रहा है, लेकिन तुलियाओं की पहल पर पैसा नहीं पाबंदियां अभी तक हुए लिए में कुछ नहीं हुआ है.

पलामू जिलान्तर्गत के टॉप ग्रोथ तुलियाओं उपयोग की तुलियां अभी तुलियों ने बताया कि जानकारी सम्पादन को लेकर, इस कुछ खास काम के नहीं था; कार्य में और न इसके लिए हमें कोई आवश्यक नहीं समझा गया. पंचायत की महिला प्रतिनिधि ने कहा कि उन्हें कुछ पता ही नहीं है. उन्हें तो बस हस्ताक्षर करने के लिए कहा जाता है. उन्होंने कहा कि उन्हें कुछ पता ही नहीं है. उन्हें तो बस हस्ताक्षर करने के लिए कहा जाता है.

इसके लिए हमें केंद्र आवश्यक किया गया है. लेकिन एक महिला होने के नाते मैं इसे अपनी जिम्मेदारी समझती हूं कि महिलाओं का स्वास्थ्य अच्छा रहे. इसलिए, जब पंचायत प्रथम सदस्यता राशि की देखने के लिए जिलों में हो, हमें उनसे यौन समस्याओं के बारे में खुलकर बातें करनी हैं. लेकिन इसके लिए हमें कोई प्रशिक्षण नहीं दिया गया है. पंचायत चुनाव के दौरान खूब हो लच्छेदार भाषण दिये जाते हैं. लेकिन चुनाव के बाद महिलाओं को भुला दिया जाता है. महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए उन्हें जागरूक करना बहुत जरूरी है. लेकिन ऐसा कुछ नहीं किया जा रहा है. स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए उनके पास कोई नहीं है. इस दृष्टिकोण से प्रशिक्षणकर्ताओं का उपयोग कुछ ज्यादा है कि जिसका कार्यकर्ताओं को जानकारियां आवश्यक बहुत ही तुलियाओं है. उन्होंने बताया कि ऐसे कार्यक्रम के अंतर्गत 15 घंटे आते हैं, जो मात्र उन्हें 3 दिनों में पूरा करना होता है. इतने कम समय में इतनी सारी जानकारियां देना संभव नहीं है. इसलिए, इसे बढ़ाकर 5 दिनों का किया जाना चाहिए.

इस संबंध में जब कई महिलाओं से बातचीत की गई, तो उन्होंने बताया कि उन्हें इस बारे में कुछ भी नहीं पता है. इस दौरान वे अपने स्वास्थ्य के प्रति बिलकुल जागरूक दिखे जा सकते हैं. कि, दो इस कॉलेज पर वे हैं कि जहिलाएं आवश्यक हैं, जोआवाज़ों बैठ में महिला उन्हें कुछ जानकारी देते हैं.

इसने जोड़े दो बात नहीं है कि, पंचायत चुनाव के बाद झारखंड में जो महिला राजनीतिक नेतृत्व में चुनाव आयीं, उनका राजनीतिकरण हुआ है और ये आज महिलाओं को ही आवश्यक करने में चूकते हैं, लेकिन उनका यही कदम से अंधकार समाज का आ रहे. लगातार महिला को यात्रा की जाने वाली है, वह यह है कि झारखंड में लेखकर चुनाव के बाद एक-नया या कुछ न कुछ चुनिंदा हो गया है, जो उन्हें उनके अधिकारों से परिचय नहीं है और यह है चुनिंदा यहि का, जहां महिला चुनिंदा जिले नहीं हैं, उनके यहि उन्हें कोई काम नहीं करने दे रहे हैं. कहीं तक की बात आता उन्हें दोनों पंचायत में चुनाव के लिए जिलों में हो रहे चुनाव में महिला के लिए आरक्षित सीट पर महिला प्रतिनिधि के पति या उनके ही परिवार के अन्य सदस्य चुनाव लड़ रहे हैं और जीत रहे हैं. ऐसे में महिला प्रतिनिधि की भूमिका क्या रह जाती है, यह सोचने की बात है. लेकिन इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है.

[**डा. अलेक्स आईएएस, एंथ्रोपोलॉजिस्ट, एडिशनल प्रोफेसर, पुरुलिया यूनिवर्सिटी पेशेवर** के सहयोग से]

प्रेस रजिस्ट्रेशन नं.: जेएसजे/2007/21033, स्वामित्व **सोनल कुमार मुर्मू**, प्रकाशक एवं मुद्रक मुर्मू मीडियाकॉम एंड पब्लिशर्स प्रा. लि. में मुद्रित एवं सेक्टर टावर, मेन रोड, रांची, झारखंड- 834001 से प्रकाशित, संपादक: **अमरेन्द्र टोपनो**
न्यूजरूम पताः **चुन्नू मुर्मू** मुख्य : 0651-6570381, 6570382(डिजिटल), फैक्स : 0651-2332191, email : info@jharkhandnewsline.in, website : www.jharkhandnewsline.in (*मैसर्स्को मीडियाकॉम से अनुबंध संबंधी के संदर्भ के लिए किसी)

बॉलीवुड किसिंग किंग को जन्म-दिन की बधाई

इमरान हाशमी के पिछले दिन यहां बसे मुंबई हमारे को चौंक कहीं बनाता, वे आज अपना 37वां जन्म-दिन मना रहे हैं. इमरान अपना हमारी के बच्चे से एक मुलिया फिल्म और सलाई मुलिया साल (फोटो यह की बधाई) के यहां काम किया. इमरान एक सिनेमैटोग्राफर जयप्रिया मंजावेर अभिनेता हैं. इन्होंने लेखिका, अभिनेताका उपन्यास और भाषणात्मक सीरियल बनाया किसने हो हैं.

11 साल छोटी मीरा से शादी करेंगे शाहिद

बॉलीवुड के फिल्मेकरों अनीस ताहिर बाबू के को में सुना है कि उन्होंने जिसमें की एक बार्डर सीरा दाखिल के अभिनेत्री का हो है. मीरा, शाहिद से उम्र में 11 साल छोटी हैं. मीरा को मुख्यिका मुगल करार है और वे बॉलीवुड जिसमें के अलावा अमरीका स्थानिय, स्कॉल और दोनों लोगवाद सहित कई जिसमें जिसमें से फिल्म हैं. शाहिद और इस लड़की की मुलाकात इन्हीं लोगों अवार्ड स्थान के फोटो हुई थी.

CMYK